रोल नम्बर .....

अनुमत समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

प्रश्नों की कुल संख्या : 8 *छपे हुए पृष्ठों की कुल संख्या : 8*

नोट : 1. हिन्दी माध्यम से उत्तर देने वाले परीक्षार्थी कृपया ध्यान दें कि यदि प्रश्नों के हिन्दी अनुवाद में किसी विशेष शब्द, वाक्यांश, अभिव्यक्ति या शब्दावली में संदेह या संदिग्धता हो, तो संलग्न अंग्रेजी रूपांतर ही अभिभावी होगा और सही एवं प्रामाणिक माना जायेगा ।

2. सभी कार्यकरण सम्बन्धी टिप्पणियों को स्पष्टतः दर्शाइए ।

भाग – अ

*(इस भाग में **प्रश्न संख्या 1** अनिवार्य है तथा शेष प्रश्नों में से **किन्हीं दो** के उत्तर दीजिए ।)*

1. (अ) संक्षेप में कारण सहित बताइए कि क्या निम्नलिखित कथन सत्य हैं अथवा असत्य :

(i) एक कम्पनी मताधिकार वाले ऋणपत्रों का निर्गमन कर सकती है ।

(ii) निगमन से पूर्व तथा निगमन के पश्चात् की अवधि के व्यवसाय के लाभ या हानि का विभाजन केवल समय के आधार पर ही किया जा सकता है ।

(iii) नियन्त्री तथा सहायक कम्पनियों के बीच किसी लेन-देन के सम्बन्ध में समाश्रित दायित्व को समेकित स्थिति-विवरण में पाद-टिप्पण (फुटनोट) के माध्यम से दर्शाया जाना चाहिए ।

(iv) ऋणपत्र-धारक कम्पनी के सदस्य नहीं होते ।

(v) अग्रिम याचनाओं पर कोई लाभांश नहीं दिया जाता ।

(प्रत्येक के 2 अंक)

(ब) निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थानों की समुचित शब्द(दों)/संख्या(ओं) द्वारा पूर्ति करते हुए उन्हें दोबारा लिखिए :

(i) ऋणपत्रों पर ब्याज कम्पनी के लाभों के प्रति एक ..... होता है ।

(ii) किसी अंश का बाजार मूल्य उसके कीमत-उपार्जन अनुपात तथा ..... का गुणनफल होता है ।

(iii) अंशतः संदत्त अधिमानी अंशों का ..... नहीं किया जा सकता है ।

(iv) अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रतिवेदन प्रमाप ..... द्वारा जारी किये जाते हैं ।

(v) कम्पनी द्वारा बोनस अंश ..... के आधार पर अपने विद्यमान अंशधारकों को निशुल्क जारी किये जाते हैं ।

(प्रत्येक का 1 अंक)

(स) निम्नलिखित वाक्यों के सम्बन्ध में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर को लिखिए :

(i) एक कम्पनी निम्नलिखित अवधि से अधिक के लिए शोधनीय अधिमानी अंशों का निर्गमन नहीं कर सकती है –

(अ) 5 वर्ष
(ब) 10 वर्ष
(स) 15 वर्ष
(द) 20 वर्ष ।

(ii) संदत्त अंश पूँजी ज्ञात करने के लिए अंश पूंजी में से किसे घटाया जाना चाहिए –

(अ) अंश समपहरण
(ब) अंशों के निर्गमन पर बट्टा
(स) अदत्त याचनाऐं
(द) अग्रिम याचनाऐं ।

(iii) सममूल्य पर शोधनीय ऋणपत्रों को बट्टे पर जारी किये जाने वाले समता अंशों में परिवर्तित करते समय, समता अंश पूँजी खाते के जमापक्ष में लिखी जाने वाली राशि होगी –

(अ) केवल ऋणपत्रों का अंकित मूल्य
(ब) ऋणपत्रों पर अंकित मूल्य तथा अंशों के निर्गमन पर बट्टे का योग
(स) ऋणपत्रों के अंकित मूल्य मे से अंशों के निर्गमन पर बट्टे को घटाकर
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं ।

(iv) यदि कम्पनी 20% की दर से लाभांश घोषित करना चाहती है तो उसको सामान्य संचिति में निम्नलिखित राशि अन्तरित करनी होगी –

(अ) चालू लाभों के 10% से कम नहीं
(ब) चालू लाभों के 7½% से कम नहीं
(स) चालू लाभों के 5% से कम नहीं
(द) चालू लाभों के 2½% से कम नहीं ।

(v) लेखाँकन प्रमाप –

(अ) लेखाँकन नीतियों में समरूपता लाते हैं
(ब) वित्तीय विवरणों की अतुलनीयता को समाप्त करते हैं
(स) वित्तीय विवरणों की विश्वसनीयता में सुधार लाते हैं
(द) उपरोक्त सभी ।

(प्रत्येक का 1 अंक)

2. (अ) 31 मार्च, 2011 को एक्स. लि. तथा उसकी सहायक कम्पनी वाई. लि. के स्थिति-विवरण इस प्रकार हैं :

दायित्व	*एक्स. लि.* (₹)	*वाई. लि.* (₹)	*सम्पत्तियाँ*	*एक्स. लि.* (₹)	*वाई. लि.* (₹)
समता अंश, ₹10 वाले	4,00,000	1,00,000	उपकरण	2,50,000	95,000
लाभ एवं हानि खाता	50,000	20,000	निवेश (1 अप्रैल, 2010 को		
बाह्य दायित्व	7,50,000	4,80,000	वाई. लि. में 9000 समता अंश)	1,40,000	–
			अन्य सम्पत्तियाँ	8,10,000	5,05,000
	12,00,000	6,00,000		12,00,000	6,00,000

1 अप्रैल, 2010 को वाई. लि. के लाभ एवं हानि खाते में ₹8,000 का जमा शेष था तथा एक्स. लि. द्वारा वाई. लि. के उपकरणों को उसके पुस्त-मूल्य ₹1,00,000 को 20% अधिक पर पुनर्मूल्यांकित किया गया (लेकिन वाई. लि. की लेखा-पुस्तकों में इसका कोई समायोजन नहीं किया गया) ।

31 मार्च, 2011 को समेकित स्थित-विवरण तैयार कीजिए ।

(6 अंक)

(ब) दी अन्डरराइटर्स लि. ने ए. लि. के प्रत्येक ₹100 वाले 50,000 समता अंशों के नये निर्गमन के अभिगोपन हेतु सहमति दी । सहमत हुई कमीशन की दर 5% थी जो 40% नकद तथा शेष पूर्ण संदत्त अंशों में देय थी । जनता से 30,000 अंशों के लिए अभिदान प्राप्त हुआ तथा शेष अंश अभिगोपकों को लेने पड़े । बाद में इन अंशों का बाजार भाव 10% बट्टे पर था ।

ए. लि. की पुस्तकों में आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए ।

(6 अंक)

(स) 'अंशों के वापसी-क्रय' पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये ।

(3 अंक)

3. (अ) 1 अप्रैल, 2009 से स्टार लि. के व्यवसाय के अधिग्रहण हेतु 30 सितम्बर, 2009 को मून लि. निगमित की गई । 31 मार्च, 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिए व्यवसाय के वित्तीय खाते निम्नलिखित सूचनाएं अभिव्यक्त करते हैं :

	₹
बिक्री 1.04.2009 से 30.9.2009 तक	1,20,00,000
बिक्री 1.10.2009 से 31.3.2010 तक	1,80,00,000
बिक्री की लागत	1,95,00,000
वेतन	15,00,000
अन्य प्रशासनिक व्यय *(किराया तथा कर)*	4,50,000
बिक्री व्यय	3,00,000
निदेशकों का पारिश्रमिक	75,000
स्थायी सम्पत्तियों पर मूल्यह्रास	1,50,000
ऋणपत्रों पर ब्याज	9,000

निगमन से पूर्व तथा निगमन के पश्चात् की अवधियों के लाभ की संगणना दर्शाते हुए, 31 मार्च, 2010 को समाप्त हुए वर्ष के लिए लाभ एवं हानि खाता तैयार कीजिए ।

(6 अंक)

(ब) 31 मार्च, 2010 को डू वैल लि. का स्थिति-विवरण इस प्रकार था :

दायित्व	₹	*सम्पत्तियाँ*	₹
अंश पूँजी, प्रति ₹10 वाले अंशों में	2,00,000	पूर्ण स्वामित्व सम्पत्ति	1,00,000
लाभ एवं हानि खाता	1,20,000	स्टॉक	1,20,000
6% ऋणपत्र	1,20,000	देनदार	80,000
लेनदार	60,000	बैंक शेष	2,20,000
प्रस्तावित लाभांश	20,000		
	5,20,000		5,20,000

18 अप्रैल, 2010 को आयोजित वार्षिक सामान्य सभा में यह प्रस्ताव पारित किया गया कि :

(i) 31 मार्च, 2010 को समाप्त हुए लेखा-वर्ष के लिए 10% लाभांश घोषित किया जाये ।

(ii) लाभ एवं हानि खाते से प्रत्येक 4 धारित अंशों के लिए एक बोनस अंश जारी किया जाये ।

(iii) बोनस वितरण से पूर्व, वर्तमान अंशधारकों को प्रत्येक धारित 4 अंशों के लिए ₹15 प्रति अंश की दर से एक अंश नकद क्रय करने का विकल्प दिया जाए । यह विकल्प सभी अंशधारकों द्वारा स्वीकार किया गया । (इस पर बोनस अंश नहीं दिये जायेंगे) ।

(iv) ऋणपत्रों का 3% प्रीमियम पर मोचन किया जाए ।

यह मानते हुए कि अधिकृत पूँजी पर्याप्त है तथा लाभांश का पूर्ण भुगतान कर दिया गया है, आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए तथा लेन-देनों के पूरा होने के पश्चात् स्थिति-विवरण तैयार कीजिए । लाभांश वितरण कर पर ध्यान न दें ।

(9 अंक)

4. (अ) 31 मार्च, 2011 को रमन लि. का स्थिति-विवरण इस प्रकार था :

दायित्व	₹	*सम्पत्तियाँ*	₹
4,000 समता अंश, प्रत्येक ₹100 वाले	4,00,000	भवन, लागत मूल्य पर	60,000
संचिति कोष	1,00,000	फर्नीचर	5,000
लाभ एवं हानि खाता (वर्ष 2010-11 के लिए कर पूर्व ₹3,00,000 सहित)	4,00,000	स्टॉक *(बाजार मूल्य)*	4,00,000
		5% निवेश *(लागत पर)*	3,00,000
		देनदार	3,00,000
मूल्यह्रास कोष :		बैंक	35,000
भवन 15,000			
निवेश 30,000	45,000		
6% ऋणपत्र	1,00,000		
लेनदार	45,000		
संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	10,000		
	11,00,000		11,00,000

भवन का वर्तमान मूल्य ₹1,10,000 है ।

इसी प्रकार का व्यवसाय कर रही सार्वजनिक कम्पनियाँ व्यवसाय में विनियोजित पूँजी पर 12% की दर से लाभ उपार्जन क्षमता दर्शाती हैं । ख्याति का वास्तविक मूल्य ₹2,00,000 लिया जा सकता है । कर की दर 35% मानते हुए, आपको कम्पनी के अंशों का उपार्जन मूल्य परिकलित करना है ।

(9 अंक)

(ब) 1 जनवरी, 2010 को एक कम्पनी ने 10% बट्टे पर ₹2,00,000 अंकित मूल्य के 12% ऋणपत्रों का निर्गमन किया । स्रोत पर 10% की दर से कर-कटौती के पश्चात ऋणपत्रों पर ब्याज प्रत्येक वर्ष 30 जून तथा 31 दिसम्बर को देय था । 5 वर्ष की अवधि बीतने पर 5% प्रीमियम पर सभी ऋणपत्रों का मोचन किया जाना था ।

आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए ।

(6 अंक)

भाग – ब

*(इस भाग में **प्रश्न संख्या 5** अनिवार्य है तथा शेष प्रश्नों में से **किन्हीं दो** के उत्तर दीजिए ।)*

5. (अ) संक्षेप में कारण सहित बताइए कि क्या निम्नलिखित कथन सत्य हैं अथवा असत्य :

(i) स्थायी सम्पत्तियों के क्रय हेतु अंशों के निर्गमन को रोकड़ प्रवाह विवरण में वित्तीय गतिविधियों के अन्तर्गत व्यवहृत किया जाता है ।

(ii) लागत जोड़ ठेकों में ठेकेदार द्वारा हानि वहन करने का जोखिम बना रहता है ।

(iii) ए.बी.सी. विश्लेषण अपवाद द्वारा प्रबन्ध करने के सिद्धाँत पर आधारित है ।

(iv) अत्याधिक उच्च चालू अनुपात तथा अत्याधिक निम्न तरलता अनुपात वाली एक फर्म के स्टॉक का स्तर अत्यन्त निम्न होता है ।

(v) जब एक कारखाना पूर्ण क्षमता पर चल रहा हो, तो उत्पादन अथवा क्रय करने के बारे में निर्णयन हेतु स्थायी लागतें भी सुसंगत हो जाती हैं ।

(प्रत्येक के 2 अंक)

(ब) निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थानों की समुचित शब्द(दों)/संख्या(ओं) द्वारा पूर्ति करते हुए उन्हें दोबारा लिखिए :

(i) प्रति इकाई परिवर्तनशील लागत ..... नहीं रहती ।

(ii) गोदाम में सामग्री की मदों की प्राप्तियों, निर्गमन तथा शेष के मात्रात्मक अभिलेख ..... में प्रविष्ट किये जाते हैं ।

(iii) निष्क्रिय समय के कारण होने वाली असामान्य हानियों को सीधे ..... के नामपक्ष में लिखकर अपलिखित किया जाना चाहिए ।

(iv) आर्थिक आदेश मात्रा के निर्धारण में दो महत्वपूर्ण परस्पर विरोधी घटक ..... तथा रख-रखाव लागत होते हैं ।

(v) शून्य आधारित बजटन ..... की कमियों का निराकरण कर देता है ।

(प्रत्येक का 1 अंक)

(स) निम्नलिखित वाक्यों के सम्बन्ध में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर को लिखिए :

(i) वार्षिक माँग 1,000 इकाइयाँ है । प्रति इकाई मूल्य ₹10 है । स्टॉक की रख-रखाव लागत 10% है तथा आदेश देने की लागत ₹5 प्रति आदेश है । आदेश की जाने वाली आर्थिक आदेश मात्रा है –

(अ) 100 इकाइयाँ
(ब) 800 इकाइयाँ
(स) 200 इकाइयाँ
(द) 400 इकाइयाँ ।

(ii) अनुपात विश्लेषण की प्रकृति है –

(अ) मात्रात्मक विश्लेषण
(ब) गुणात्मक विश्लेषण
(स) मात्रात्मक तथा गुणात्मक विश्लेषण दोनों
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं ।

(iii) जब मूल्यों में व्यापक उतार-चढ़ाव होता है, तो ऐसे उतार-चढ़ाव के प्रभावों को दूर करने के लिए प्रयोग की जाने वाली विधि है –

(अ) पहले आना पहले जाना
(ब) बाद में आना पहले जाना
(स) साधारण औसत
(द) भारित औसत ।

(iv) जब अवशोषित उपरिव्ययों की राशि, वहन किए गए उपरिव्ययों से कम होती है, तो यह कहलाता है –

(अ) उपरिव्ययों का अल्प-अवशोषण
(ब) उपरिव्ययों का अधि-अवशोषण
(स) उपरिव्ययों का उचित अवशोषण
(द) उपरिव्ययों का सामान्य अवशोषण ।

(v) सीमान्त लागत-निर्धारण के अन्तर्गत उत्पाद लागत में समावेश होता है –

(अ) केवल मूल लागत का
(ब) मूल लागत तथा स्थायी उपरिव्ययों का
(स) मूल लागत तथा परिवर्तनशील उपरिव्ययों का
(द) सामग्री लागत तथा परिवर्तनशील उपरिव्ययों का ।

(प्रत्येक का 1 अंक)

6. (अ) एक कम्पनी किसी उत्पाद की 5,000 इकाइयाँ प्रति माह विनिर्माण करती है । एक आदेश देने की लागत ₹100 है । कच्चे माल का क्रय मूल्य ₹10 प्रति कि.ग्रा. है । पुनः आदेश अवधि 4 से 8 सप्ताह है । प्रति सप्ताह कच्चे माल की खपत 100 कि.ग्रा. से 450 कि.ग्रा. के बीच घटती-बढ़ती रहती है जबकि प्रति सप्ताह औसत खपत 275 कि.ग्रा. है । स्कन्ध की वार्षिक रख-रखाव लागत 20% है । यह मानते हुए कि एक वर्ष में 52 सप्ताह होते हैं, आपको गणना करनी है –

(i) पुनः आदेश मात्रा;
(ii) अधिकतम स्तर;
(iii) न्यूनतम स्तर; तथा
(iv) औसत स्तर ।

(6 अंक)

(ब) 1 अप्रैल, 2010 को प्रारम्भ हुए एक ठेके से सम्बन्धित विवरण इस प्रकार हैं :

	₹
ठेका मूल्य	5,00,000
मशीनरी	30,000
सामग्री	1,70,600
मज़दूरी	1,48,750

	₹
प्रत्यक्ष व्यय	6,330
अदत्त मज़दूरी	5,380
अप्रमाणित कार्य	9,000
उपरिव्यय	8,240
वापिस की गई सामग्री	1,600
31 मार्च, 2011 को मशीनरी	22,000
31 मार्च, 2011 को हस्तगत सामग्री	3,700
प्रमाणित कार्य का मूल्य	3,90,000
प्राप्त रोकड़	3,51,000

लाभ एवं हानि खाते के जमापक्ष में ले जाई जाने वाली वर्ष के लाभ की राशि को दर्शाते हुए, वित्त वर्ष 2010-11 के लिए ठेका खाता तैयार कीजिए ।

(6 अंक)

(स) ''सामान्य श्रम आवर्त लाभदायक होता है तथा अत्याधिक श्रम आवर्त वाँछनीय नहीं होता ।'' टीका-टिप्पणी कीजिए ।

(3 अंक)

7. (अ) 31 मार्च, 2011 को समाप्त हुए वर्ष के लिए सूर्या लि. ने निम्नलिखित सूचनाएँ प्रदान की हैं :

(i) वर्ष की कुल बिक्री ₹1,20,00,000 थी, और कम्पनी माल को केवल नकद ही बेचती है ।

(ii) बिके माल की लागत, बिक्री मूल्य का 60% है । अन्तिम स्टॉक का मूल्य प्रारम्भिक स्टॉक के मूल्य से ₹53,750 अधिक था । 31 मार्च, 2011 को व्यापारिक लेनदारों की राशि, 31 मार्च, 2010 को लेनदारों की राशि से ₹28,750 अधिक थी ।

(iii) कर से पूर्व शुद्ध लाभ ₹17,25,000 था । कर भुगतान की राशि ₹8,75,000 थी । वर्ष के लिए स्थायी सम्पत्तियों पर मूल्यह्रास ₹3,93,750 था । जबकि अन्य व्यय ₹26,81,250 थे । 31 मार्च, 2010 तथा 31 मार्च, 2011 को कुल अदत्त व्यय क्रमशः ₹1,02,500 तथा ₹1,13,750 थे ।

(iv) कुल मिलाकर ₹12,84,375 की नई मशीनरी तथा फर्नीचर खरीदा गया ।

(v) ₹75 प्रीमियम पर, प्रत्येक ₹250 वाले 2,500 समता अंशों का अधिकारिक निर्गमन किया गया । सम्पूर्ण राशि आवेदनों के साथ प्राप्त हुई थी ।

(vi) कुल ₹5,08,750 के लाभांश तथा लाभांश वितरण कर का भुगतान किया गया ।

(vii) 31 मार्च, 2010 को हस्तगत रोकड़ तथा बैंक शेष की कुल राशि ₹2,67,250 थी ।

लेखाँकन प्रमाप-3 (संशोधित) के अनुसार रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार कीजिए ।

(9 अंक)

(ब) मैट्रो सर्विस लि. 70% क्षमता पर कार्य कर रही है तथा उसने निम्नलिखित सूचनाएँ प्रस्तुत की हैं :

सम-विच्छेद बिन्दु	:	₹200 करोड़
लाभ/परिमाण अनुपात	:	40%
सुरक्षा की सीमा	:	₹50 करोड़

मैट्रो प्रबन्धन ने निम्नलिखित परिवर्तनों के साथ उत्पादन को 95% क्षमता के स्तर तक बढ़ाने का निर्णय लिया है –

– विक्रय मूल्य को 8% कम किया जाएगा ।
– परिवर्तनशील लागत को कम करके विक्रय का 55% किया जाएगा ।
– स्थायी लागत में ₹27 करोड़ की वृद्धि होगी जिसमें अतिरिक्त पूँजी पर मूल्यह्रास सम्मिलित होगा, परन्तु उस पर ब्याज सम्मिलित नहीं होगा ।
– पूँजीगत व्ययों तथा कार्यशील पूँजी के लिए ₹50 करोड़ की अतिरिक्त पूँजी की आवश्यकता होगी ।

आपको ज्ञात करना है –

(i) अतिरिक्त पूँजी पर 20% ब्याज देने तथा वर्तमान लाभ के स्तर से ₹7 करोड़ अधिक लाभ कमाने के लिए अपेक्षित बिक्री;
(ii) संशोधित सम-विच्छेद बिन्दु;
(iii) संशोधित लाभ/परिमाण अनुपात; तथा
(iv) संशोधित सुरक्षा की सीमा ।

(6 अंक)

8. (अ) निम्नलिखित विवरणों से धन धान्य लि. का स्थिति-विवरण तैयार कीजिए :

चालू अनुपात	2
कार्यशील पूँजी	₹4,00,000
पूँजी ब्लॉक (विनियोजित) का चालू सम्पत्तियों से अनुपात	3 : 2
स्थायी सम्पत्तियों का बिक्री से अनुपात	1 : 3
नकद बिक्री/उधार बिक्री	1 : 2
ऋणपत्र/अंश पूँजी	1 : 2
स्टॉक आवर्त	2 माह
लेनदार आवर्त	2 माह
देनदार आवर्त	3 माह
सकल लाभ अनुपात	25% *(विक्रय पर)*
शुद्ध लाभ	विक्रय का 10%
संचिति	विक्रय का 2.5%

(9 अंक)

(ब) स्थिर बजटों की अपेक्षा लोचदार बजट अधिक वास्तविक तथा उपयोगी होते हैं । क्या आप सहमत हैं ? व्याख्या कीजिए ।

(3 अंक)

(स) ''बजट प्रबन्ध का सहायक है, न कि उसका स्थानापन्न ।'' टीका-टिप्पणी कीजिए ।

(3 अंक)

————0————